B-1

1000Rs.

295

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.

Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

* DUTY P...
...T

200Rs



१			
२			श्रीकमला प्रसाद पांडव पिता श्री रामानुराग जाति निवासी ग्राम पहाड़ (बाग) गढ़ीबाग पंचायत अनीसाबाद जिला पटना बेचा गृहस्थी वो नौकर ...
३			निर्विवादित विक्रयपत्र के बाला वयस्क साक्षी (Adult Identifier Witness)
४			मो० १२२०० बारह हजार पाँच सौ रुपया मात्र आषाढ़ ६२२० पौंचहजार दो सौ पचास रुपया दो तारीख ३६.०७.२०२०
५			मकान १३ तीनकट्ठा पक्का-पोक्का तमीसामाग्री के साथ इक तल्लुनत वो इक मोकाबजत वो इक मालमाल बाके मो० ग्रा० पहाड़ (डुमरांव) पुराना वो सर्व बाग फूलवारी चोहालबाग गढ़ीबाग सब वो सब रिहायशी वो अलावरना वो बाक व० १४ चौदह वो तोजीन २२७ बावनसो सत्तर वो मालगुजारीसालाना मोकुर पचहत्तर पैसा लगातार वो बकारे पेशकाशिकारी वमोकाम सब पटना वो सैपनोवर्षा पटना पटना पुलिस का के अड्डे खाना वो खलिहान नरथ वो

Mr. [illegible] 12-3-22
Mr. [illegible] 12-3-22
Mr. [illegible] 12-3-22

ક્રમાંક નં.	ખરીદનાર	સાક્ષી	કુટુંબ	ધરાવતા	પૂરવ	પરિમાણ
૧૨૮ એકસો અઠ્ઠાવન	રઈસ્કો લેખક નવે	S.S. નાગ કડુ	નીકળનો આવેલ ખાતો ના મુખ્યાલય રમત કે પિક્કીકાર્ટ હે.	મીરાગાડી ના	લેકોઈના	ના ચારકે.

ચોરસ્તા ના પાસે ના ચોરસ્તા ના પાસે ના

:- સમજ :-

પટકે અરાજી પૂરુ ગે વાળ ના પૂર્વ વિક્રિકારના વપરાશ

એ અરાજીકાર કે અમો પૂરુનકે મોલિલાધન

પૂ વો ગો અમે પરિમાણે વગેરે વરક

પ્રવાહ્યુંકે વરક અમે રમત પ્રમાણ વગ

વો પરિવાર માટે આવે વો વાસ્તુ પ્રમાણ

મે અમો પૂરુનકે- વો અમો પૂરુન કરેલ

પૂરુનો પૂરુનકો સ્વામી પૂ અમે રમત

અમે અમે પરિમાણે માલિક વોલિલાધન

પૂરુનો પૂરુન છે.

સહી:-

નામ:-

તા:- ૨૨-૩-૨૦૧૬

ફરિયાદ-

ફરિયાદી ઉપરોક્ત નામ સરનામાવાળા હાજર આવી સોગંદ ઉપર જણાવે છે કે મારા ઉપરોક્ત નામ સરનામાવાળા સાહેદો હાજર છે. તેમની પણ સોગંદ ઉપર જુબાની લેવામાં આવે. મારે આ કામે વધુ કંઈ કહેવાનું નથી.

ફરિયાદી

સાહેદ

સાહેદ

તા. ૧૨.૩.૨૨

ફરિયાદ વાંચી સંભળાવી સમજાવી ફરિયાદીએ સહી કરી આપી.

તા. ૧૨.૩.૨૨

ફરિયાદ વાંચી સંભળાવી સમજાવી સાહેદે સહી કરી આપી.

તા. ૧૨.૩.૨૨

ફરિયાદ વાંચી સંભળાવી સમજાવી સાહેદે સહી કરી આપી.

તા. ૧૨.૩.૨૨

ફરિયાદ વાંચી સંભળાવી સમજાવી સાહેદે સહી કરી આપી.

તા. ૧૨.૩.૨૨

ફરિયાદ વાંચી સંભળાવી સમજાવી સાહેદે સહી કરી આપી.

તા. ૧૨.૩.૨૨

१-नाममोकिरान (विक्रेतागण)

१- श्री प्रेमधर सिंह
२- श्री राजेन्द्र सिंह
पिता स्वर्गीय श्री कृष्णा राम राय

३- श्री सकलदीप राय
४- श्री चन्द्रदीप राय
पिता स्वर्गीय श्री सिया राम राय

५- श्री रामभवन राय पिता स्वर्गीय श्री शिवमहादेव राय

६- श्री जनक राय
७- श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह
पिता स्वर्गीय श्री राजा राम राय

सभी का निवासी ग्राम-खरिस्तावाद जिला पटना धंधा गृहस्थी वो नौकरी, भारतीयनागरिक

सही प्रेमधर सिंह राजेन्द्र सिंह सकलदीप राय चन्द्र दीप राय रामभवन राय जनक राय कामेश्वर प्रसाद सिंह वय लिखा सो सही कुल रुपया पहले कुछ पा चुका हूं वंशिका पढ़कर समझ लिया वा० साक्ष तारीख १२-३-८२

२-नाममोकिरलेह (क्रेता)-

श्री कमला प्रसाद यादव पिता श्री रामानन्द राय जीवित निवासी ग्राम- पहाड़पुर थाना गदनीवाग पत्रालय- बनीसावाद जिला पटना धंधा गृहस्थी वोनौकरी

सही सकलदीप राय वय लिखा सोसही कुल रुपया पहले पा चुका हूंवंशिका पढ़कर समझ लिया तारीख १२-३-८२

३- किसीम वसिका:-

निर्विवाद विक्रय पत्र (केवाला बयला कलामी

४- तायदाद रूपया:-

मो० १२५००) बारह हजार पांच सौ रुपया जिसका बाधा मो० ६२५०) छौव हजार दो सौ पचास रूपया होता है

५- तफसील शयमोकइया-

मवाजी ३ तीन कट्ठा मकान पोक्ता सभी सामग्रीयों के साथ हक शफुनत वो हक मोकावजत वो हक आसायस वाके मौजा पहाड़पुर हुमरा प्रगना वो सबे धाना पगुलवारी वो हाल थाना गदनीवाग सब वो सदर रजिस्ट्री वो जिला पटना वो थाना नं० १४ चौदह वो तौजी नं० ५२७० बावन सौ सत्तर वो मालगुजारी सालाना मो० ७५ पचहत्तर पैसा लगता है जो

सदर पटना वो शयमोवहया पटना पटना पराधिकारी के अन्दर हं
खाता वो खसरा नम्बर वो चौहदी हस्बसराहत जेल दर्ज है । बराजी
मजकुर की नम्बरात दिया जाता है

खाता नं०	खसरा नं०	बराजी	उत्तर	दक्षिण	पुरब	पश्चिम
१५८	२६५	३ तीन	नीजमनमोकिरान श्रीजगदीश	लेडी इमाम	नीजखरीदार के	
एक सौ	दो सौ	कट्ठा जो बाज ही श्री मुन्सी लाल राय के किछी करते				
ठाकुर	पंचानवे					

हैं।

सन्दर्भ

यह के बराजी मुन्जेखाना नं० ५ वसिका हाजा वसमुल और बराजीयात के मनमोकिरान के मौखी सम्मति हं वो जो अपने पटटीदारान से वजरीय बटवारा खानगी के बाट कर अपने अपने हिस्सा पर काबीज वो दखिल खेवाते है वो खास हिस्सा वो दाब में मनमोकिरान का है वो मनमोकिरान बसरह अलहदा वो जुदागाना हं लेकिन जमीन हजमाल रहने के वजह कर एक साथ एकरार करते हैं अपने अपने परिवार के मालिक वो स्वामी मनमोकिरान हैं।

चूमनमोकिरान को रूपया के वास्ते सचा खानेदारी के लाहक हाल है वो बैगैर किये वसिका विक्रय पत्र कं सामान रूपया की नजर नहीं बाती है ।

इसलिए मनमोकिरान बहालत सेहत जात वो सबात अक्ल वो बदुरुस्तगी होश वो हवास में रहकर अपने मवाजी ३ (तीन) कट्ठा बराजी जो खाने नं० ५ वसिकाहाजा दर्ज है वो जो हर तरह के बारदेन से पाक वो साफ है वो उसको कीमत मो० १२५०० साढ़े बारह हजार रूपया बदस्त मोकिरअलेह खाने नं० २ दो के हाथ बेचा बयलाकलामी किया वो

सही राजेन्द्र सिंह बय लिखा सो सही
कुल रूपया पहले पा चुका हूं वसिका
पढ़कर सुन समझ लिया १२-३-८२

सही चन्द्रदीप राय बय लिखा
सो सही कुल रूपया पहले वसुल
पा चुका हूं वसिका पढ़कर समझ
तारीख १२-३-८२

सही राममदन राय बयलिखा
कुल रूपया पहले वसुल पाया वसिका
पढ़कर सुन समझ लिया १२-३

अपने दर लाया वो रफे हाजत सदर का किया वो खरीदार को
उपर अराजी मैयमोवहया पर काबीज वो दखिल होकर वो रहकर साह
खुद रहे वो किरायादारी में लगावे वो जिस प्रकार चाहें अपने दर
में लावेंगे वो बाद मालगुजारी बिहार सरकार बहादुर को बादाय वो
बेबाक करके जहां जहां-

सही जनक राय वय लिखा सही कामेश्वर प्रसाद सिंह वय लिखा
सों सही कुल रुपया पहले कुल रुपया पहले कुल पा चुका हूं
कुल पा चुका हूं कागज पढ़कर- कागज पढ़कर समझ लिया
समझ लिया १२-३-८२ १२-३-८२